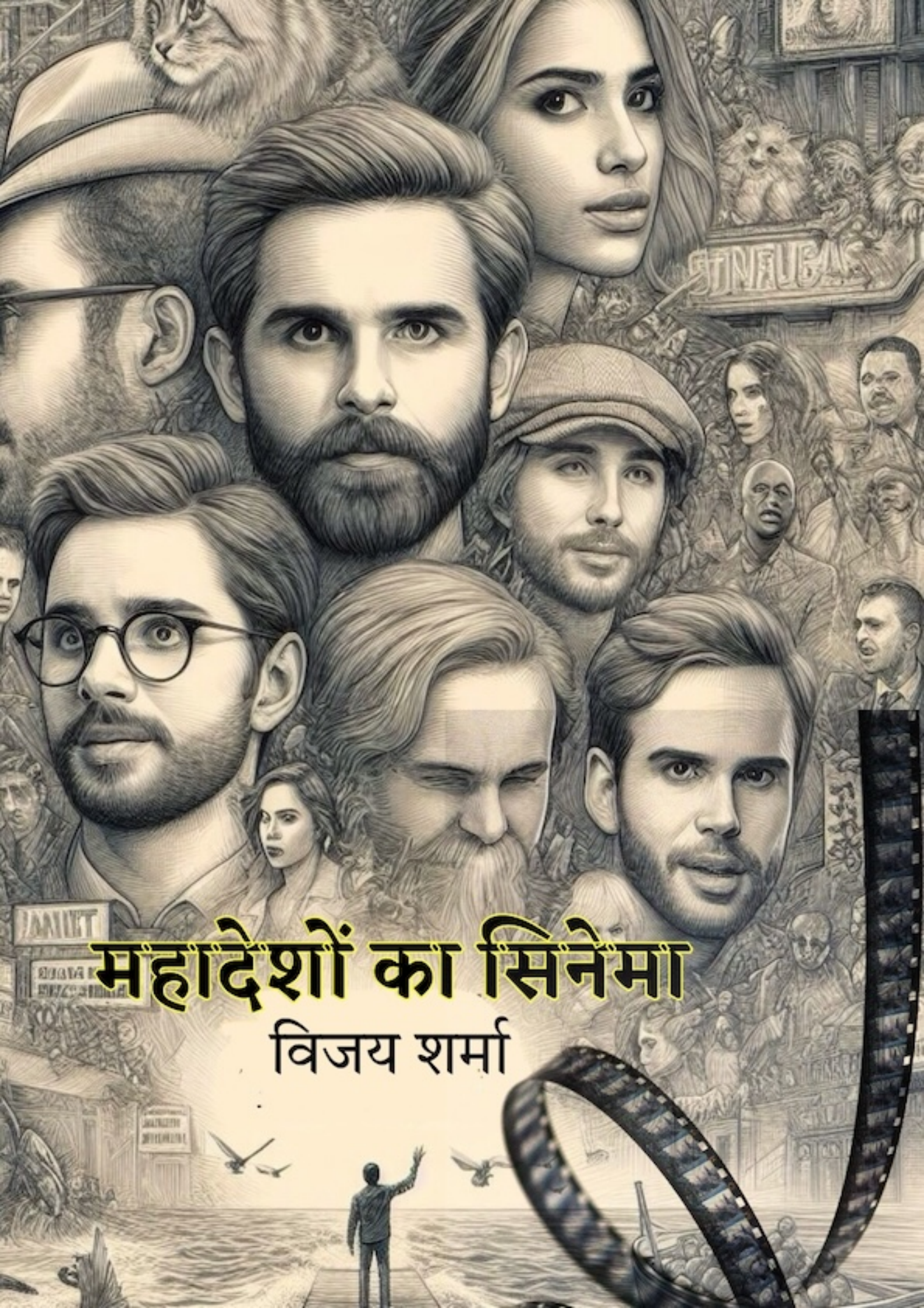
महादेशों का सिनेमा
विजय शर्मा

महादेशों का सिनेमा

विजय शर्मा

प्रकाशक: नॉटनल

प्रकाशन: अप्रैल, 2024

© विजय शर्मा

सिने-प्रेमियों को समर्पित

अनुक्रम

अपनी बात 6

सिनेमा की बातें 11

एशिया महादेश का सिनेमा

श्रीलंका: सिनेमा के भविष्य की चिंता 17

पाकिस्तानी सिनेमा का उतार-चढ़ाव 22

चीन: प्रारंभ में एक्शन फ़िल्में 27

जापान: धीमी गति की फ़िल्में 32

बाँग्लादेश: साझी विरासत का सिनेमा 37

नेपाली चलचित्र 42

बर्मा: उथल-पुथल भरा सिनेमा 47

मलेशिया सिनेमा: छाया नाटक का विस्तार 52

सिंगापुर सिने-इतिहास: शुरुआती रोचक दौर 57

मंगोलिया का सिनेमा: दक्षिण एशिया से हट कर 62

अफ़गानिस्तान: बनाई कम फ़िल्में 67

आध्यात्मिक तिब्बत सिनेमा 72

ताइवान: सिनेमा की लहरें 77

कोरिया: सिनेमा से उम्मीदें 82

यूरोप महादेश का सिनेमा

फ़्रांस: सिनेमा का जन्मदाता 88

जर्मनी: सिनेमा का मेनिफ़ेस्टो 93

इटली का सिनेमा और नवयथार्थवाद 98

आयरलैंड सिनेमा की विश्व को देन 103

स्कॉटलैंड का सिनेमा: डॉक्युमेंट्री की बहार 108

ग्रीक सिनेमा मतलब यूरोप का हॉलीवुड 113

बल्गारिया: फ़िर से बँधती आशा 118

स्पेन: सर्रियलिज्म का जनक 123

स्कैन्डेविया: वृहतर यूरोपियन 128

डेनमार्क: भाषायी बाधा को पार करता 133

आइसलैंड: डॉक्युमेंट्री तथा फ़ीचर वाला देश 138

नॉर्वे: विशिष्ट सिने-इतिहास 143

अफ़्रीका महादेश का सिनेमा

दक्षिण अफ़्रीका और फ़िल्में 149

सेनेगॉल सिनेमा: विदेशी प्रभाव में 154

मिस्र का सिनेमा: पूर्व का हॉलीवुड 159

अमेरिका का सिनेमा

कनाडा का सिने-इतिहास मात्र डॉक्यूमेंट्री नहीं है 165

मैक्सिको का सिनेमा: क्षितिज का विस्तार 170

निकरागुआ: डॉक्युमेंट्री/फ़ीचर में माहिर 175

क्यूबा का सिनेमा: आंदोलन के इस ओर-उस ओर 180

दक्षिण अमेरिका का सिनेमा

बोलिविया: प्रतिरोध का सिनेमा 187

ब्राज़ील: सिटी ऑफ़ गॉड का तहलका 192

पेरु: धीमी गति से बढ़ता सिनेमा 197

अर्जेंटीना का सिनेमा 202

ऑस्ट्रेलिया का सिनेमा

ऑस्ट्रेलिया: प्रभावशाली फ़िल्में 208

ओसनिक सिनेमा

न्यू ज़ीलैंड: अनोखी फ़िल्मों का देश 214

फ़िजी: सिनेमा देर से आया 224

अपनी बात

सिनेमा ने अपने जन्म के साथ पूरी दुनिया को अपनी गिरफ़्त में ले लिया। शायद ही कोई अन्वेषण इतनी तेजी से लोगों के बीच अपनी पैठ बना पाया है, जैसा सिनेमा ने बनाया है। अब तो इसकी शताब्दी मनाई जा चुकी है और इसके बनने, वितरित होने और प्रदर्शित होने की तकनीकी में गजब का परिवर्तन आ चुका है। नई सदी का स्वागत बड़े जोर-शोर के साथ हुआ, मानो दुनिया का काया कल्प होने वाला है। हम भूल जाते हैं, समय एक सतत प्रवाह है, कभी न रुकने वाला, तारीखें और कैलेंडर मात्र नंबर और पन्ने हैं। ये तारीखें और कैलेंडर अलग-अलग देशों, समय तथा समाज में भिन्न रहे हैं। जिसे हम 21वीं सदी कह कर संबोधित कर रहे हैं, वह जॉर्जियन कैलेंडर का हिस्सा है।

परिवर्तन जीवन और प्रकृति का शाश्वत नियम है। हर परिवर्तन न तो बुरा होता है और न ही हर परिवर्तन अच्छा होता है। 21वीं सदी में तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्फोट हुआ है, जिसका असर स्वाभाविक रूप से सिनेमा पर पड़ा है।

आज सिनेमा बनाना, उसे एडिट करना, उसका प्रसार-वितरण, प्रदर्शन, उसे देखना सब आसान हो गया है। डिजिटल कैमरा, डिजिटल सोफ़िस्टिकेटेड एडिटिंग, विजुअल इफ़ैक्ट्स, एडवांस साउंड रिकॉर्डिंग, कम्प्यूटर ग्राफ़िक, इमेज मिक्सिंग,